

॥ श्रीभुवनेश्वरीभकारादिसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

.. Shri Bhuvaneshvari Bhakaradi  
Sahasranamastotram ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

---

.. Shri Bhuvaneshvari Bhakaradi Sahasranamastotram ..

॥ श्रीभुवनेश्वरीभकारादिसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information

---

Text title : bhuvaneshvarIbhakArAdisahasranAmastotra

File name : bhuvaneshvarIbhakArAdisahasranAmastotra.itx

Category : sahasranAma, devii, dashamahAvidyA, stotra

Location : doc\_devii

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion kumAryAdipaMchAyatanadevatAnAM tantraishcha  
samalaMkRitaH From Muktabodha Indological Research Institute www.muktabodha.org Data-  
entered by the staff of Muktabodha under the direction of Mark S. G. Dyczkowski.

Reprint of edition published in 1892. Revision 0 february 9, 2009

Transliterated by : Muktabodha.org

Proofread by : Muktabodha.org, DPD

Description-comments : From Shaktapramoda kAlyAdidashamahAvidyAtantrAtmakah

Acknowledge-Permission: Marjorie Woollacott, Ph.D., Digital Library Coordinator  
muktabodha.org

Latest update : October 2, 2014

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*



॥ श्रीभुवनेश्वरीभकारादिसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

अथ भुवनेश्वरीभकारादिसहस्रनामस्तोत्रम् ।

ॐ अस्य श्रीभुवनेश्वरीसहस्रनाममन्त्रस्य सदाशिव

ऋषिरनुष्टुप्छन्दः भुवनेश्वरीदेवता

लज्जाबीजम् (हीं बीजम्) कमलाशक्तिः (श्रीं बीजम्)

वाग्भवङ्कीलकम् (ऐं कीलकम्) सर्वार्थसाधने जपे विनियोगः ॥

भुवनेशी भुवाराध्या भवानी भयनाशिनी ।

भवरूपा भवानन्दा भवसागरतारिणी ॥ १ ॥

भवोद्भवा भवरता भवभारनिवारिणी ।

भव्याना भव्यनयना भव्यरूपा भवौषधिः ॥ २ ॥

भव्याङ्गना भव्यकेशी भवपाशविमोचिनी ।

भव्यासना भव्यवस्त्रा भव्याभरणभूषिता ॥ ३ ॥

भगरूपा भगानन्दा भगेशी भगमालिनी ।

भगविद्या भगवती भगक्लिन्ना भगावहा ॥ ४ ॥

भगाङ्कुरा भगक्रीडा भगाद्या भगमङ्गला ।

भगलीला भगप्रीता भगसम्पद्गेश्वरी ॥ ५ ॥

भगालया भगोत्साहा भगस्था भगपोषिणी ।

भगोत्सवा भगविद्या भगमाता भगस्थिता ॥ ६ ॥

भगशक्तिर्भगनिधिर्भगपूजा भगेषणा ।

भगास्वपा भगाधीशा भगाचार्या भगसुन्दरी ॥ ७ ॥

भगरेखा भगस्नेहा भगस्नेहविवर्धिनी ।

भगिनी भगबीजस्था भगभोगविलासिनी ॥ ८ ॥

भगाचारा भगाधारा भगाचारा भगाश्रया ।

भगपुष्पा भगश्रीदा भगपुष्पनिवासिनी ॥ ९ ॥

भव्यरूपधरा भव्याभव्यपुष्पैरसंस्कृता ।

भव्यलीला भव्यमाला भव्याङ्गी भव्यसुन्दरी ॥ १० ॥

भव्यशीला भव्यलीला भव्याक्षी भव्यनाशिनी ।  
 भव्याङ्गिका भव्यवाणी भव्यकान्तिर्भगालिनी ॥ ११ ॥  
 भव्यत्रपा भव्यनदी भव्यभोगविहारिणी ।  
 भव्यस्तनी भव्यमुखी भव्यगोष्ठी भयापहा ॥ १२ ॥  
 भक्तेश्वरी भक्तिकरी भक्तानुग्रहकारिणी ।  
 भक्तिदा भक्तिजननी भक्तानन्दविवर्द्धिनी ॥ १३ ॥  
 भक्तिप्रिया भक्तिरता भक्तिभावविहारिणी ।  
 भक्तिशीला भक्तिलीला भक्तेशी भक्तिपालिनी ॥ १४ ॥  
 भक्तिविद्या भक्तविद्या भक्तिर्भक्तिविनोदिनी ।  
 भक्तिरीतिर्भक्तिप्रीतिर्भक्तिसाधनसाधिनी ॥ १५ ॥  
 भक्तिसाध्या भक्तसाध्या भक्तिराली भवेश्वरी ।  
 भटविद्या भटानन्दा भटस्था भटरूपिणी ॥ १६ ॥  
 भटमान्या भटस्थान्या भटस्थाननिवासिनी ।  
 भटिनी भटरूपेशी भटरूपविवर्द्धिनी ॥ १७ ॥  
 भटवेशी भटेशी च भगभागभवसुन्दरी ।  
 भटप्रीत्या भटरीत्या भटानुग्रहकारिणी ॥ १८ ॥  
 भटैराध्या भटबोध्या भटबोधविनोदिनी ।  
 भटैस्सेव्या भटवरा भटाचर्या भटबोधिनी ॥ १९ ॥  
 भटकीर्त्या भटकला भटपा भटपालिनी ।  
 भटैश्वर्या भटाधीशा भटैक्षा भटतोषिणी ॥ २० ॥  
 भटेशी भटजननी भटभाग्यविवर्द्धिनी ।  
 भटमुक्तिर्भटयुक्तिर्भटप्रीतिविवर्द्धिनी ॥ २१ ॥  
 भाग्येशी भाग्यजननी भाग्यस्था भाग्यरूपिणी ।  
 भावनाभावकुशला भावदा भाववर्द्धिनी ॥ २२ ॥  
 भावरूपा भावरसा भावान्तरविहारिणी ।  
 भावाङ्कुरा भावकला भावस्थाननिवासिनी ॥ २३ ॥  
 भावातुरा भावधृता भावमध्यव्यवस्थिता ।

भावत्रहृद्धिर्भावसिद्धिर्भावादिर्भावभाविनी ॥ २४ ॥  
 भावालया भावपरा भावसाधनतत्परा ।  
 भावेश्वरी भावगम्या भावस्था भावगर्विता ॥ २५ ॥  
 भाविनी भावरमणी भारती भारतेश्वरी ।  
 भागीरथी भाग्यवती भाग्योदयकरीकला ॥ २६ ॥  
 भाग्याश्रया भाग्यमयी भाग्या भाग्यफलप्रदा ।  
 भाग्यचारा भाग्यसारा भाग्यधारा च भग्यदा ॥ २७ ॥  
 भाग्येश्वरी भाग्यनिधिर्भाग्या भाग्यसुमातृका ।  
 भाग्येक्षा भाग्यना भाग्यभाग्यदा भाग्यमातृका ॥ २८ ॥  
 भाग्येक्षा भाग्यमनसा भाग्यादिर्भाग्यमध्यगा ।  
 भ्रातेश्वरी भ्रातृवती भ्रात्र्यम्बा भ्रातृपालिनी ॥ २९ ॥  
 भ्रातृस्था भ्रातृकुशला भ्रामरी भ्रमराम्बिका ।  
 भिल्लरूपा भिल्लवती भिल्लस्था भिल्लपालिनी ॥ ३० ॥  
 भिल्लमाता भिल्लधात्री भिल्लनी भिल्लकेश्वरी ।  
 भिल्लकीर्त्तिर्भिल्लकला भिल्लमन्दरवासिनी ॥ ३१ ॥  
 भिल्लक्रीडा भिल्ललीला भिल्लाचर्या भिल्लवल्लभा ।  
 भिल्लस्रुषा भिल्लपुत्री भिल्लनी भिल्लपोषिणी ॥ ३२ ॥  
 भिल्लपौत्री भिल्लगोष्ठी भिल्लाचारनिवासिनी ।  
 भिल्लपूज्या भिल्लवाणी भिल्लानी भिल्लभितिहा ॥ ३३ ॥  
 भीतस्था भीतजननी भीतिभीतिविनाशिनी ।  
 भीतिदा भितिहा भीत्या भीत्याकारविहारिणी ॥ ३४ ॥  
 भीतेशी भीतिशमनी भीतस्थाननिवासिनी ।  
 भीतिरीत्या भीतिकला भीतीक्षा भीतिहारिणी ॥ ३५ ॥  
 भीमेशी भीमजननी भीमा भीमनिवासिनी ।  
 भीमेश्वरी भीमरता भीमाङ्गी भीमपालिनी ॥ ३६ ॥  
 भीमनादी भीमतन्त्री भीमैश्वर्यविवर्द्धिनी ।  
 भीमगोष्ठी भीमधात्री भीमविद्याविनोदिनी ॥ ३७ ॥

भीमविक्रमदात्री च भीमविक्रमवासिनी ।  
 भीमानन्दकरीदेवी भीमानन्दविहारिणी ॥ ३८ ॥  
 भीमोपदेशिनी नित्या भीमभाग्यप्रदायिनी ।  
 भीमसिद्धिर्भीमत्रयद्विर्भीमभक्तिविवर्द्धिनी ॥ ३९ ॥  
 भीमस्था भीमवरदा भीमधर्मोपदेशिनी ।  
 भीष्मेश्वरी भीष्मभृती भीष्मबोधप्रबोधिनी ॥ ४० ॥  
 भीष्मश्रीर्भीष्मजननी भीष्मज्ञानोपदेशिनी ।  
 भीष्मस्था भीष्मतपसा भीष्मेशी भीष्मतारिणी ॥ ४१ ॥  
 भीष्मलीला भीष्मशीला भीष्मरोदिनिवासिनी ।  
 भीष्माश्रया भीष्मवरा भीष्महर्षविवर्द्धिनी ॥ ४२ ॥  
 भुवना भुवनेशानी भुवनानन्दकारिणी ।  
 भुविस्था भुविरूपा च भुविभारनिवारिणी ॥ ४३ ॥  
 भुक्तिस्था भुक्तिदा भुक्तिर्भुक्तेशी भुक्तिरूपिणी ।  
 भुक्तेश्वरी भुक्तिदात्री भुक्तिराकाररूपिणी ॥ ४४ ॥  
 भुजङ्गस्था भुजङ्गेशी भुजङ्गाकाररूपिणी ।  
 भुजङ्गी भुजगावासा भुजङ्गानन्ददायिनी ॥ ४५ ॥  
 भूतेशी भूतजननी भूतस्था भूतरूपिणी ।  
 भूतेश्वरी भूतलीला भूतवेषकरी सदा ॥ ४६ ॥  
 भूतदात्री भूतकेशी भूतधात्री महेश्वरी ।  
 भूतरीत्या भूतपत्नी भूतलोकनिवासिनी ॥ ४७ ॥  
 भूतसिद्धिर्भूतत्रयद्विर्भूतानन्दनिवासिनी ।  
 भूतकीर्त्तिर्भूतलक्ष्मीर्भूतभाग्यविवर्द्धिनी ॥ ४८ ॥  
 भूताचार्या भूतरमणी भूतविद्याविनोदिनी ।  
 भूतपौत्री भूतपुत्री भूतभार्याविधेश्वरी ॥ ४९ ॥  
 भूपस्था भूपरमणी भूपेशी भूपपालिनी ।  
 भूपमाता भूपनिभा भूपैश्वर्यप्रदायिनी ॥ ५० ॥

भूपचेष्टा भूपनेष्टा भूपभावविवर्द्धिनी ।  
 भूपभगिनी भूपभूरी भूपपौत्री तथा वधूः ॥ ५१ ॥  
 भूपकीर्त्तिर्भूपनीतिर्भूपभाग्यविवर्द्धिनी ।  
 भूपक्रिया भूपक्रीडा भूपमन्दरवासिनी ॥ ५२ ॥  
 भूपोच्चर्या भूपसँराध्या भूपभोगविवर्द्धिनी ।  
 भूपश्रया भूपकाला भूपकौतुकदण्डिनी ॥ ५३ ॥  
 भूषणस्था भूषणेशी भूषा भूषणधारिणी ।  
 भूषणाधारधर्मेशी भूषणाकाररूपिणी ॥ ५४ ॥  
 भूपताचारनिलया भूपताचारभूषिता ।  
 भूपताचाररचना भूपताचारमण्डिता ॥ ५५ ॥  
 भूपताचारधर्मेशी भूपताचारकारिणी ।  
 भूपताचारचरिता भूपताचारवर्जिता ॥ ५६ ॥  
 भूपताचारवृद्धिस्था भूपताचारवृद्धिदा ।  
 भूपताचारकरणा भूपताचारकर्मदा ॥ ५७ ॥  
 भूपताचारकर्मेशी भूपताचारकर्मदा ।  
 भूपताचारदेहस्था भूपताचारकर्मिणी ॥ ५८ ॥  
 भूपताचारसिद्धिस्था भूपताचारसिद्धिदा ।  
 भूपताचारधर्माणी भूपताचारधारिणी ॥ ५९ ॥  
 भूपतानन्दलहरी भूपतेश्वररूपिणी ।  
 भूपतेर्नीतिनीतिस्था भूपतिस्थानवासिनी ॥ ६० ॥  
 भूपतिस्थानगीर्वाणी भूपतेर्वरधारिणी ॥ ६१ ॥  
 भेषजानन्दलहरी भेषजानन्दरूपिणी ।  
 भेषजानन्दमहिषी भेषजानन्दरूपिणी ॥ ६२ ॥  
 भेषजानन्दकर्मेशी भेषजानन्ददायिनी ।  
 भेषजी भेषजाकन्दा भेषजस्थानवासिनी ॥ ६३ ॥  
 भेषजेश्वररूपा च भेषजेश्वरसिद्धिदा ।  
 भेषजेश्वरधर्मेशी भेषजेश्वरकर्मदा ॥ ६४ ॥



भेषजेश्वरकर्मेशी भेषजेश्वरकर्मिणी ।  
 भेषजाधीशजननी भेषजाधीशपालिनी ॥ ६५ ॥  
 भेषजाधीशरचना भेषजाधीशमङ्गला ।  
 भेषजारण्यमध्यस्था भेषजारण्यरक्षिणी ॥ ६६ ॥  
 भैषज्यविद्या भैषज्या भैषज्येप्सितदायिनी ।  
 भैषज्यस्था भैषजेशी भैषज्यानन्दवर्द्धिनी ॥ ६७ ॥  
 भैरवी भैरवीचारा भैरवाकाररूपिणी ।  
 भैरवाचारचतुरा भैरवाचारमण्डिता ॥ ६८ ॥  
 भैरवा भैरवेशी च भैरवानन्ददायिनी ।  
 भैरवानन्दरूपेशी भैरवानन्दरूपिणी ॥ ६९ ॥  
 भैरवानन्दनिपुणा भैरवानन्दमन्दिरा ।  
 भैरवानन्दतत्त्वज्ञा भैरवानन्दतत्पर ॥ ७० ॥  
 भैरवानन्दकुशला भैरवानन्दनीतिदा ।  
 भैरवानन्दप्रीतिस्था भैरवानन्दप्रीतिदा ॥ ७१ ॥  
 भैरवानन्दमहिषी भैरवानन्दमालिनी ।  
 भैरवानन्दमतिदा भैरवानन्दमातृका ॥ ७२ ॥  
 भैरवाधारजननी भैरवाधाररक्षिणी ।  
 भैरवाधाररूपेशी भैरवाधाररूपिणी ॥ ७३ ॥  
 भैरवाधारनिचया भैरवाधारनिश्चया ।  
 भैरवाधारतत्त्वज्ञा भैरवाधारतत्त्वदा ॥ ७४ ॥  
 भैरवाश्रयतन्त्रेशी भैरवाश्रयमन्त्रिणी ।  
 भैरवाश्रयरचना भैरवाश्रयरञ्जिता ॥ ७५ ॥  
 भैरवाश्रयनिर्द्धारा भैरवाश्रयनिर्भर ॥  
 भैरवाश्रयनिर्द्धारा भैरवाश्रयनिर्द्धरा ॥ ७६ ॥  
 भैरवानन्दबोधेशी भैरवानन्दबोधिनी ।  
 भैरवानन्दबोधस्था भैरवानन्दबोधदा ॥ ७७ ॥

भैरव्यैश्वर्यवरदा भैरव्यैश्वर्यदायिनी ।  
 भैरव्यैश्वर्यरचना भैरव्यैश्वर्यवर्द्धिनी ॥ ७८ ॥  
 भैरव्यैश्वर्यसिद्धिस्था भैरव्यैश्वर्यसिद्धिदा ।  
 भैरव्यैश्वर्यसिद्धेशी भैरव्यैश्वर्यरूपिणी ॥ ७९ ॥  
 भैरव्यैश्वर्यसुपथा भैरव्यैश्वर्यसुप्रभा ।  
 भैरव्यैश्वर्यवृद्धिस्था भैरव्यैश्वर्यवृद्धिदा ॥ ८० ॥  
 भैरव्यैश्वर्यकुशला भैरव्यैश्वर्यकामदा ।  
 भैरव्यैश्वर्यसुलभा भैरव्यैश्वर्यसम्प्रदा ॥ ८१ ॥  
 भैरव्यैश्वर्यविशदा भैरव्यैश्वर्यविक्रिता ।  
 भैरव्यैश्वर्यविनया भैरव्यैश्वर्यवेदिता ॥ ८२ ॥  
 भैरव्यैश्वर्यमहिमा भैरव्यैश्वर्यमानिनी ।  
 भैरव्यैश्वर्यनिरता भैरव्यैश्वर्यनिर्मिता ॥ ८३ ॥  
 भोगेश्वरी भोगमाता भोगस्था भोगरक्षिणी ।  
 भोगक्रीडा भोगलीला भोगेशी भोगवर्द्धिनी ॥ ८४ ॥  
 भोगाङ्गी भोगरमणी भोगाचारविचारिणी ।  
 भोगाश्रया भोगवती भोगिनी भोगरूपिणी ॥ ८५ ॥  
 भोगाङ्कुरा भोगविधा भोगाधारनिवासिनी ।  
 भोगाम्बिका भोगरता भोगसिद्धिविधायिनी ॥ ८६ ॥  
 भोजस्था भोजनिरता भोजनानन्ददायिनी ।  
 भोजनानन्दलहरी भोजनान्तर्विहारिणी ॥ ८७ ॥  
 भोजनानन्दमहिमा भोजनानन्दभोग्यदा ।  
 भोजनानन्दरचना भोजनानन्दहर्षिता ॥ ८८ ॥  
 भोजनाचारचतुरा भोजनाचारमण्डिता ।  
 भोजनाचारचरिता भोजनाचारचर्चिता ॥ ८९ ॥  
 भोजनाचारसम्पन्ना भोजनाचारसँव्युता ।  
 भोजनाचारचित्तस्था भोजनाचाररीतिदा ॥ ९० ॥  
 भोजनाचारविभवा भोजनाचारविस्तृता ।

भोजनाचाररमणी भोजनाचाररक्षिणी ॥ ९१ ॥  
 भोजनाचारहरिणी भोजनाचारभक्षिणी ।  
 भोजनाचारसुखदा भोजनाचारसुस्पृहा ॥ ९२ ॥  
 भोजनाहारसुरसा भोजनाहारसुन्दरी ।  
 भोजनाहारचरिता भोजनाहारचञ्चला ॥ ९३ ॥  
 भोजनास्वादविभवा भोजनास्वादवल्लभा ।  
 भोजनास्वादसन्तुष्टा भोजनास्वादसम्प्रदा ॥ ९४ ॥  
 भोजनास्वादसुपथा भोजनास्वादसंश्रया ।  
 भोजनास्वादनिरता भोजनास्वादनिर्णिता ॥ ९५ ॥  
 भौक्षरा भौक्षरेशानी भौकाराक्षरूपिणी ।  
 भौक्षरस्था भौक्षरादिर्भौक्षरस्थानवासिनी ॥ ९६ ॥  
 भङ्गारी भर्मिणी भर्मी भस्मेशी भस्मरूपिणी ।  
 भङ्गारा भञ्जना भस्मा भस्मस्था भस्मवासिनी ॥ ९७ ॥  
 भक्षरी भक्षराकारा भक्षरस्थानवासिनी ।  
 भक्षराढ्या भक्षरेशी भरूपा भस्वरूपिणी ॥ ९८ ॥  
 भूधरस्था भूधरेशी भूधरी भूधरेश्वरी ।  
 भूधरानन्दरमणी भूधरानन्दपालिनी ॥ ९९ ॥  
 भूधरानन्दजननी भूधरानन्दवासिनी ।  
 भूधरानन्दरमणी भूधरानन्दरक्षिता ॥ १०० ॥  
 भूधरानन्दमहिमा भूधरानन्दमन्दिरा ।  
 भूधरानन्दसर्वेशी भूधरानन्दसर्वसूः ॥ १०१ ॥  
 भूधरानन्दमहिषी भूधरानन्ददायिनी ।  
 भूधराधीशधर्मेशी भूधरानन्दधर्मिणी ॥ १०२ ॥  
 भूधराधीशधर्मेशी भूधराधीशसिद्धिदा ।  
 भूधराधीशकर्मेशी भूधराधीशकामिनी ॥ १०३ ॥  
 भूधराधीशनिरता भूधराधीशनिर्णिता ।  
 भूधराधीशनीतिस्था भूधराधीशनीतिदा ॥ १०४ ॥

भूधराधीशभाग्येशी भूधराधीशभामिनी ।  
 भूधराधीशबुद्धिस्था भूधराधीशबुद्धिदा ॥ १०५ ॥  
 भूधराधीशवरदा भूधराधीशवन्दिता ।  
 भूधराधीशाऽराध्या च भूधराधीशचर्चिता ॥ १०६ ॥  
 भङ्गेश्वरी भङ्गमयी भङ्गस्था भङ्गरूपिणी ।  
 भङ्गाक्षता भङ्गरता भङ्गाचर्या भङ्गरक्षिणी ॥ १०७ ॥  
 भङ्गावती भङ्गलीला भङ्गभोगविलासिनी ।  
 भङ्गरङ्गप्रतीकाशा भङ्गरङ्गनिवासिनी ॥ १०८ ॥  
 भङ्गाशिनी भङ्गमूली भङ्गभोगविधायिनी ।  
 भङ्गाश्रया भङ्गबीजा भङ्गबीजाङ्कुरेश्वरी ॥ १०९ ॥  
 भङ्गयन्त्रचमत्कारा भङ्गयन्त्रेश्वरी तथा ।  
 भङ्गयन्त्रविमोहिस्था भङ्गयन्त्रविनोदिनी ॥ ११० ॥  
 भङ्गयन्त्रविचारस्था भङ्गयन्त्रविचारिणी ।  
 भङ्गयन्त्रसानन्दा भङ्गयन्त्रसेश्वरी ॥ १११ ॥  
 भङ्गयन्त्ररसस्वादा भङ्गयन्त्ररसस्थिता ।  
 भङ्गयन्त्ररसाधारा भङ्गयन्त्ररसाश्रया ॥ ११२ ॥  
 भूधरात्मजरूपेशी भूधरात्मजरूपिणी ।  
 भूधरात्मजयोगेशी भूधरात्मजपालिनी ॥ ११३ ॥  
 भूधरात्मजमहिमा भूधरात्मजमालिनी ।  
 भूधरात्मजभूतेशी भूधरात्मजरूपिणी ॥ ११४ ॥  
 भूधरात्मजसिद्धिस्था भूधरात्मजसिद्धिदा ।  
 भूधरात्मजभावेशी भूधरात्मजभाविनी ॥ ११५ ॥  
 भूधरात्मजभोगस्था भूधरात्मजभोगदा ।  
 भूधरात्मजभोगेशी भूधरात्मजभोगिनी ॥ ११६ ॥  
 भव्या भव्यतरा भव्याभाविनी भववल्लभा ।  
 भावातिभावा भावाख्या भातिभा भीतिभान्तिका ॥ ११७ ॥

भासान्तिभासा भासस्था भासाभा भास्करोपमा ।  
 भास्करस्था भास्करोशी भास्करैश्वर्यवर्द्धिनी ॥ ११८ ॥  
 भास्करानन्दजननी भास्करानन्ददायिनी ।  
 भास्करानन्दमहिमा भास्करानन्दमातृका ॥ ११९ ॥  
 भास्करानन्दनैश्वर्या भास्करानन्दनेश्वरा ।  
 भास्करानन्दसुपथा भास्करानन्दसुप्रभा ॥ १२० ॥  
 भास्करानन्दनिचया भास्करानन्दनिर्मिता ।  
 भास्करानन्दनीतिस्था भास्करानन्दनीतिदा ॥ १२१ ॥  
 भास्करोदयमध्यस्था भास्करोदयमध्यगा ।  
 भास्करोदयतेजःस्था भास्करोदयतेजसा ॥ १२२ ॥  
 भास्कराचारचतुरा भास्कराचारचन्द्रिका ।  
 भास्कराचारपरमा भास्कराचारचण्डिका ॥ १२३ ॥  
 भास्कराचारपरमा भास्कराचारपारदा ।  
 भास्कराचारमुक्तिस्था भास्कराचारमुक्तिदा ॥ १२४ ॥  
 भास्कराचारसिद्धिस्था भास्कराचारसिद्धिदा ।  
 भास्कराचरणाधारा भास्कराचरणाश्रिता ॥ १२५ ॥  
 भास्कराचारमन्त्रेशी भास्कराचारमन्त्रिणी ।  
 भास्कराचारवित्तेशी भास्कराचारचित्रिणी ॥ १२६ ॥  
 भास्कराधारधर्मेशी भास्कराधारधारिणी ।  
 भास्कराधाररचना भास्कराधाररक्षिता ॥ १२७ ॥  
 भास्कराधारकर्माणी भास्कराधारकर्मदा ।  
 भास्कराधाररूपेशी भास्कराधाररूपिणी ॥ १२८ ॥  
 भास्कराधारकाम्येशी भास्कराधारकामिनी ।  
 भास्कराधारसांशेशी भास्कराधारसांशिनी ॥ १२९ ॥  
 भास्कराधारधर्मेशी भास्कराधारधामिनी ।  
 भास्कराधारचक्रस्था भास्कराधारचक्रिणी ॥ १३० ॥  
 भास्करेश्वरक्षत्रेशी भास्करेश्वरक्षत्रिणी ।

- भास्करेश्वरजननी भास्करेश्वरपालिनी ॥ १३१ ॥  
 भास्करेश्वरसर्वेशी भास्करेश्वरशर्वरी ।  
 भास्करेश्वरसद्मीमा भास्करेश्वरसन्निभा ॥ १३२ ॥  
 भास्करेश्वरसुपथा भास्करेश्वरसुप्रभा ।  
 भास्करेश्वरयुवती भास्करेश्वरसुन्दरी ॥ १३३ ॥  
 भास्करेश्वरमूर्त्तेशी भास्करेश्वरमूर्त्तिनी ।  
 भास्करेश्वरमित्रेशी भास्करेश्वरमन्त्रिणी ॥ १३४ ॥  
 भास्करेश्वरसानन्दा भास्करेश्वरसाश्रया ।  
 भास्करेश्वरचित्रस्था भास्करेश्वरचित्रदा ॥ १३५ ॥  
 भास्करेश्वरचित्रेशी भास्करेश्वरचित्रिणी ।  
 भास्करेश्वरभाग्यस्था भास्करेश्वरभाग्यदा ॥ १३६ ॥  
 भास्करेश्वरभाग्येशी भास्करेश्वरभाविनी ।  
 भास्करेश्वरकीर्त्येशी भास्करेश्वरकीर्त्तिनी ॥ १३७ ॥  
 भास्करेश्वरकीर्त्तिस्था भास्करेश्वरकीर्त्तिदा ।  
 भास्करेश्वरकरुणा भास्करेश्वरकारिणी ॥ १३८ ॥  
 भास्करेश्वरगीर्वाणी भास्करेश्वरगारुडी ।  
 भास्करेश्वरदेहस्था भास्करेश्वरदेहदा ॥ १३९ ॥  
 भास्करेश्वरनादस्था भास्करेश्वरनादिनी ।  
 भास्करेश्वरनादेशी भास्करेश्वरनादिनी ॥ १४० ॥  
 भास्करेश्वरकोशस्था भास्करेश्वरकोशदा ।  
 भास्करेश्वरकोशेशी भास्करेश्वरकोशिनी ॥ १४१ ॥  
 भास्करेश्वरशक्तिस्था भास्करेश्वरशक्तिदा ।  
 भास्करेश्वरतोषेशी भास्करेश्वरतोषिणी ॥ १४२ ॥  
 भास्करेश्वरक्षेत्रेशी भास्करेश्वरक्षेत्रिणी ।  
 भास्करेश्वरयोगस्था भास्करेश्वरयोगदा ॥ १४३ ॥  
 भास्करेश्वरयोगेशी भास्करेश्वरयोगिनी ।  
 भास्करेश्वरपद्मेशी भास्करेश्वरपद्मिनी ॥ १४४ ॥

भास्करेश्वरहृद्बीजा भास्करेश्वरहृद्द्वरा ।  
 भास्करेश्वरहृद्योनि-भास्करेश्वरहृद्युतिः ॥ १४५ ॥  
 भास्करेश्वरबुद्धिस्था भास्करेश्वरसद्विधा ।  
 भास्करेश्वरसद्वाणी भास्करेश्वरसद्वरा ॥ १४६ ॥  
 भास्करेश्वरराज्यस्था भास्करेश्वरराज्यदा ।  
 भास्करेश्वरराज्येशी भास्करेश्वरपोषिणी ॥ १४७ ॥  
 भास्करेश्वरज्ञानस्था भास्करेश्वरज्ञानदा ।  
 भास्करेश्वरज्ञानेशी भास्करेश्वरगामिनी ॥ १४८ ॥  
 भास्करेश्वरलक्षेशी भास्करेश्वरक्षालिता ।  
 भास्करेश्वरलक्षिता भास्करेश्वररक्षिता ॥ १४९ ॥  
 भास्करेश्वरखड्गस्था भास्करेश्वरखड्गदा ।  
 भास्करेश्वरखड्गेशी भास्करेश्वरखड्गिनी ॥ १५० ॥  
 भास्करेश्वरकार्येशी भास्करेश्वरकामिनी ।  
 भास्करेश्वरकायस्था भास्करेश्वरकायदा ॥ १५१ ॥  
 भास्करेश्वरचक्षुःस्था भास्करेश्वरचक्षुषा ।  
 भास्करेश्वरसन्नाभा भास्करेश्वरसार्चिता ॥ १५२ ॥  
 भ्रूणहत्याप्रशमनी भ्रूणपापविनाशिनी ।  
 भ्रूणदारिद्र्यशमनी भ्रूणरोगनिवाशिनी ॥ १५३ ॥  
 भ्रूणशोकप्रशमनी भ्रूणदोषनिवारिणी ।  
 भ्रूणसन्तापशमनी भ्रूणविभ्रमनाशिनी ॥ १५४ ॥  
 भवाब्धिस्था भवाब्दीशा भवाब्धिभयनाशिनी ।  
 भवाब्धिपारकरणी भवाब्धिसुखवर्द्धिनी ॥ १५५ ॥  
 भवाब्धिकार्यकरणी भवाब्धिकरुणानिधिः ।  
 भवाब्धिकालशमनी भवाब्धिवरदायिनी ॥ १५६ ॥  
 भवाब्धिभजनस्थाना भवाब्धिभजनस्थिता ।  
 भवाब्धिभजनाकारा भवाब्धिभजनक्रिया ॥ १५७ ॥

भवाब्धिभजनाचारा भवाब्धिभजनाङ्कुरा ।  
 भवाब्धिभजनानन्दा भवाब्धिभजनाधिपा ॥ १५८ ॥  
 भवाब्धिभजनैश्वर्या भवाब्धिभजनैश्वरी ।  
 भवाब्धिभजनासिद्धिर्भवाब्धिभजनारतिः ॥ १५९ ॥  
 भवाब्धिभजनानित्या भवाब्धिभजनानिशा ।  
 भवाब्धिभजनानिम्ना भवाब्धिभवभीतिहा ॥ १६० ॥  
 भवाब्धिभजनाकाम्या भवाब्धिभजनाकला ।  
 भवाब्धिभजनाकीर्त्तिर्भवाब्धिभजनाकृता ॥ १६१ ॥  
 भवाब्धिशुभदा नित्या भवाब्धिशुभदायिनी ।  
 भवाब्धिसकलानन्दा भवाब्धिसकलाकला ॥ १६२ ॥  
 भवाब्धिसकलासिद्धिर्भवाब्धिसकलानिधिः ।  
 भवाब्धिसकलासारा भवाब्धिसकलार्थदा ॥ १६३ ॥  
 भवाब्धिभवनामूर्त्तिर्भवाब्धिभवनाकृतिः ।  
 भवाब्धिभवनाभव्या भवाब्धिभवनाम्भसा ॥ १६४ ॥  
 भवाब्धिमदनारूपा भवाब्धिमदनातुरा ।  
 भवाब्धिमदनेशानी भवाब्धिमदनेश्वरी ॥ १६५ ॥  
 भवाब्धिभाग्यरचना भवाब्धिभाग्यदा सदा ।  
 भवाब्धिभाग्यदाकूला भवाब्धिभाग्यनिर्भरा ॥ १६६ ॥  
 भवाब्धिभाग्यनिरता भवाब्धिभाग्यभाविता ।  
 भवाब्धिभाग्यसञ्चारा भवाब्धिभाग्यसञ्चिता ॥ १६७ ॥  
 भवाब्धिभाग्यसुपथा भवाब्धिभाग्यसुप्रदा ।  
 भवाब्धिभाग्यरीतिज्ञा भवाब्धिभाग्यनीतिदा ॥ १६८ ॥  
 भवाब्धिभाग्यरीत्येशी भवाब्धिभाग्यरीतिनी ।  
 भवाब्धिभोगनिपुणा भवाब्धिभोगसम्प्रदा ॥ १६९ ॥  
 भवाब्धिभाग्यगहना भवाब्धिभोग्यगुम्फिता ।  
 भवाब्धिभोगगान्धारी भवाब्धिभोगगुम्फिता ॥ १७० ॥  
 भवाब्धिभोगसुरसा भवाब्धिभोगसुस्पृहा ।



भवाब्धिभोगग्रथिनी भवाब्धिभोगयोगिनी ॥ १७१ ॥  
 भवाब्धिभोगरसना भवाब्धिभोगराजिता ।  
 भवाब्धिभोगविभवा भवाब्धिभोगविस्तृता ॥ १७२ ॥  
 भवाब्धिभोगवरदा भवाब्धिभोगवन्दिता ।  
 भवाब्धिभोगकुशला भवाब्धिभोगशोभिता ॥ १७३ ॥  
 भवाब्धिभेदजननी भवाब्धिभेदपालिनी ।  
 भवाब्धिभेदरचना भवाब्धिभेदरक्षिता ॥ १७४ ॥  
 भवाब्धिभेदनियता भवाब्धिभेदनिस्पृहा ।  
 भवाब्धिभेदरचना भवाब्धिभेदरोषिता ॥ १७५ ॥  
 भवाब्धिभेदराशिघ्नी भवाब्धिभेदराशिनी ।  
 भवाब्धिभेदकर्मेशी भवाब्धिभेदकर्मिणी ॥ १७६ ॥  
 भद्रेशी भद्रजननी भद्रा भद्रनिवासिनी ।  
 भद्रेश्वरी भद्रवती भद्रस्था भद्रदायिनी ॥ १७७ ॥  
 भद्ररूपा भद्रमयी भद्रदा भद्रभाषिणी ।  
 भद्रकर्णा भद्रवेशा भद्राम्बा भद्रमन्दिरा ॥ १७८ ॥  
 भद्रक्रिया भद्रकला भद्रिका भद्रवर्द्धिनी ।  
 भद्रक्रीडा भद्रकला भद्रलीलाभिलाषिणी ॥ १७९ ॥  
 भद्राङ्कुरा भद्ररता भद्राङ्गी भद्रमन्त्रिणी ।  
 भद्रविद्या भद्रविद्या भद्रवाग्भद्रवादिनी ॥ १८० ॥  
 भूपमङ्गलदा भूपा भूलता भूमिवाहिनी ।  
 भूपभोगा भूपशोभा भूपाशा भूपरूपदा ॥ १८१ ॥  
 भूपाकृतिर्भूपतिर्भूपश्रीर्भूपश्रेयसी ।  
 भूपनीतिर्भूपरीतिर्भूपभीतिर्भयङ्करी ॥ १८२ ॥  
 भवदानन्दलहरी भवदानन्दसुन्दरी ।  
 भवदानन्दकरणी भवदानन्दवर्द्धिनी ॥ १८३ ॥  
 भवदानन्दरमणी भवदानन्ददायिनी ।  
 भवदानन्दजननी भवदानन्दरूपिणी ॥ १८४ ॥

य इदम्पठते स्तोत्रम्प्रत्यहम्भक्तिसंय्युतः ।  
 गुरुभक्तियुतो भूत्वा गुरुसेवापरायणः ॥ १८५ ॥  
 सत्यवादी जितेन्द्री च ताम्बूलपूरिताननः ।  
 दिवा रात्रौ च सन्ध्यायां स भवेत्परमेश्वरः ॥ १८६ ॥  
 स्तवमात्रस्य पाठेन राजा वश्यो भवेद्भुवम् ।  
 सर्वागमेषु विज्ञानी सर्वतन्त्रे स्वयं हरः ॥ १८७ ॥  
 गुरोर्मुखात्समभ्यस्य स्थित्वा च गुरुसन्निधौ ।  
 शिवस्थानेषु सन्ध्यायां शून्यागारे चतुष्पथे । १८८ ॥  
 यः पठेच्छृणुयाद्वापि स योगी नात्र संशयः ।  
 सर्वस्वन्दक्षिणान्दद्यात्स्त्रीपुत्रादिकमेव च ॥ १८९ ॥  
 स्वच्छन्दमानसो भूत्वा स्तवमेतत्समुद्धरेत् ।  
 एतत्स्तोत्ररतो देवि हररूपो न संशयः ॥ १९० ॥  
 यः पठेच्छृणुयाद्वापि एकचित्तेन सर्वदा ।  
 स दीर्घायुः सुखी वाग्मी वाणी तस्य न संशयः ॥ १९१ ॥  
 गुरुपादरतो भूत्वा कामिनीनाम्भवेत्प्रियः ।  
 धनवान् गुणवाञ्छ्रीमान् धीमानिव गुरुः प्रिये ॥ १९२ ॥  
 सर्वेषान्तु प्रियो भूत्वा पूजयेत्सर्वदा स्तवम् ।  
 मन्त्रसिद्धिः करस्थैव तस्य देवि न संशयः ॥ १९३ ॥  
 कुबेरत्वम्भवेत्तस्य तस्याधीना हि सिद्धयः ।  
 मृतपुत्रा च या नारी दौर्भाग्यपरिपीडिता ॥ १९४ ॥  
 वन्ध्या वा काकवन्ध्या वा मृतवत्सा च याऽङ्गना ।  
 धनधान्यविहीना च रोगशोकाकुला च या ॥ १९५ ॥  
 ताभिरेतन्महादेवि भूर्जपत्रे विलेखयेत् ।  
 सव्ये भुजे च बध्नीयात्सर्वसौख्यवती भवेत् ॥ १९६ ॥  
 एवम्पुनः पुनः प्रायाहुःखेन परिपीडिता ।  
 सभायां व्यसने च्वाणी विवादे शत्रुसङ्घटे ॥ १९७ ॥

चतुरङ्गे तथा युद्धे सर्वत्रापदि पीडिते ।  
स्मरणादस्य कल्याणि संशयय्याति दूरतः ॥ १९८ ॥  
न देयम्परशिष्याय नाभक्ताय च दुर्जने ।  
दाम्भिकाय कुशीलाय कृपणाय सुरेश्वरि ॥ १९९ ॥  
दद्याच्छिष्याय शान्ताय विनीताय जितात्मने ।  
भक्ताय शान्तियुक्ताय जपपूजारताय च ॥ २०० ॥  
जन्मान्तरसहस्रैस्तु वर्णितुन्नैव शक्यते ।  
स्तवमात्रस्य माहात्म्यव्यक्क्रकोटिशतैरपि ॥ २०१ ॥  
विष्णवे कथितम्पूर्वं ब्रह्मणापि प्रियंवदे ।  
अधुनापि तव स्नेहात्कथितम्परमेश्वरि ॥ २०२ ॥  
गोपितव्यम्पशुभ्यश्च सर्वथा च प्रकाशयेत् ॥ २०३ ॥  
इति श्रीमहातन्त्रार्णवे ईश्वरपार्वतीसंवादे  
भुवनेश्वरीभकारादिसहस्रनामस्तोत्रं समाप्तम् ॥

---

The original text is

from Muktabodha Indological Research Institute [www.muktabodha.org](http://www.muktabodha.org)

Data-entered by the staff of Muktabodha under the direction of  
Mark S. G.

Dyczkowski.

Reprint of edition published in 1892. Revision 0 february 9, 2009

Publisher : Shrivenkateshvara press Publication year : 1949

Reproofread by DPD

---

.. Shri Bhuvaneshvari Bhakaradi Sahasranamastotram ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on August 20, 2017

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

